MASA-02

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

अनुक्रमणिका

इकाई सं.	इकाई का नाम
इकाई–1	कालिदास का काल एवं रचनाएँ
इकाई–2	कालिदास की भाषा शैली, काव्यकला, छन्द एवं अलंकार प्रयोग
इकाई–3	गीतिकाव्य / दूतकाव्य परम्परा : उद्भव, विकास एवं मेघदूत का स्थान
इकाई–4	मेघदूत के टीकाकार रस एवं मेघ का मार्ग
इकाई–5	मेघदूत के पूर्वमेघ के श्लोकों की ससन्दर्भ व्याख्या (व्याकरणात्मक टिप्पणी सहित)
इकाई–6	मेघदूत के पूर्वमेघ के श्लोकों की ससन्दर्भ व्याख्या (व्याकरणात्मक टिप्पणी सहित)
इकाई–7	मेघदूत के उत्तरमेघ के प्रमुख अंशों का सप्रसंग अनुवाद एवं सटिप्पण वैशिष्ट्य (श्लोक संख्या 1 से 30 तक)
इकाई–8	मेघदूत के उत्तरमेघ के प्रमुख अंशों का सप्रसंग अनुवाद एवं सटिप्पण वैशिष्ट्य (श्लोक संख्या 31 से 60 तक)
इकाई–9	मेघदूत की प्रमुख सूक्तियों की सप्रसंग व्याख्या
इकाई–10	संस्कृत नाटक : उद्भव एवं विकास
इकाई–11	नाट्यग्रन्थों के आधार पर रूपकों के प्रकार,संस्कृत रूपकों की विशेषताएँ एवं संस्कृत के प्रमुख नाटककार
इकाई–12	विशाखदत्त का परिचय–काल, मुद्राराक्षस कथा, कथा का स्त्रोत
इकाई–13	नाटककार विशाखदत्त : भाषा शैली, नाटकीय विशेषतायें, नाटक की शास्त्रीय विशेषतायें
इकाई–14	मुद्राराक्षस नाटक, विशाखदत्त का परिचय, मुद्राराक्षस की प्रमुख व्याख्यायें (प्रथम से तीन अंक तक)
इकाई–15	मुद्राराक्षस नाटक (अङ्क 4 से अङ्क 7 तक) की प्रमुख व्याख्यायें
इकाई–16	मुद्राराक्षसम् नाटक के प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण तथा नायकत्व का निर्धारण
इकाई–17	मुद्राराक्षस की प्रमुख सूक्तियाँ
इकाई–18	शूद्रक– व्यक्तिनिर्धारण, काल, मृच्छकटिकम् की कथावस्तु एवं समीक्षा
इकाई–19	मृच्छकटिकम् – अंक 1 से 5 (प्रमुख अंशों की सप्रसंग व्याख्या)
इकाई–20	मृच्छकटिकम् के प्रमुख अंशों की सप्रसंग व्याख्या (5 से 10 अंक तक)
इकाई–21	मृच्छकटिकम् – प्रमुख पात्रों का चरित्र–चित्रण
इकाई–22	मृच्छकटिकम् की प्रमुख सूक्तियाँ
इकाई–23	याज्ञवल्क्यस्मृति (व्यवहाराध्याय)